पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

अजय देवगन के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में मुकदमा

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 23 ■ रविवार 29 मार्च 2026 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

'लॉकडाउन' की फर्जी खबर से मचा हड़कंप

पुलिस के हत्थे चढ़ा अफवाह फैलाने वाला युवक

ठाणे. मुंब्रा इलाके में एक युवक को सोशल मीडिया पर लॉकडाउन की झूठी खबर फैलाना भारी पड़ गया. युवक ने एक वीडियो बनाकर दावा किया था कि रात 12 बजे से इलाके में सख्त लॉकडाउन लागू होने वाला है. देखते ही देखते यह वीडियो वायरल हो गया और लोगों में घबराहट का माहौल बन गया.

बताया जा रहा है कि युवक ने अपने मोबाइल से वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया. वीडियो में उसने दावा किया कि प्रशासन ने अचानक से लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है. इस खबर के फैलते ही कई लोग परेशान हो गए और जरूरी सामान खरीदने के लिए घरों से बाहर निकलने लगे.

चिंता में आ गए हजारों लोग

अफवाह का असर यह हुआ कि मुंब्रा इलाके में कुछ जगहों पर हलचल बढ़ गई. लोग बिना किसी आधिकारिक सूचना के ही डर गए. कई लोगों ने एक-दूसरे को फोन कर जानकारी लेनी शुरू कर दी, जिससे अफवाह और तेजी से फैल गई.

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंब्रा पुलिस हरकत में आई. पुलिस ने वीडियो की जांच की और आरोपी युवक की पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया. पूछताछ के दौरान युवक ने माना कि उसने बिना पुष्टि के वीडियो बनाया और शेयर किया.

सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई गई

- पुलिस ने युवक से उसकी गलती स्वीकार करवाते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई. साथ ही चेतावनी दी कि भविष्य में इस तरह की हरकत दोबारा न हो.
- पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी खबर पर विश्वास करने से पहले उसकी पुष्टि जरूर करें. खासकर सोशल मीडिया पर फैल रही खबरों को बिना जांचे-परखे आगे न बढ़ाएं, क्योंकि इससे अनावश्यक डर और अफरा-तफरी फैल सकती है.
- इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सोशल मीडिया पर छोटी सी लापरवाही भी बड़े स्तर पर भ्रम फैला सकती है, इसलिए जिम्मेदारी के साथ ही जानकारी साझा करना जरूरी है.

जिले में सड़क, मेट्रो व रेलवे का जाल

■ अगले तीन साल में पूरे होंगे ज़रूरी प्रोजेक्ट्स

ठाणे. मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के तेज़ी से बढ़ते ठाणे जिले में ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट्स बनाए जा रहे हैं। मेट्रो लाइन, नई सड़कें और रेलवे लाइन जैसे कई प्रोजेक्ट्स ठाणे जिले को मुंबई समेत दूसरे जिलों से ज़्यादा अच्छे से जोड़ेंगे। हालांकि, राज्य की 2025-26 इकोनॉमिक सर्वे रिपोर्ट के डेटा के मुताबिक, यह साफ़ है कि इनमें से ज़्यादातर प्रोजेक्ट्स को पूरा होने में कम से कम दो से तीन साल और इंतज़ार करना होगा।

हालांकि, कुछ प्रोजेक्ट्स की प्रोग्रेस का परसेंटेज देखने पर यह साफ़ हो रहा है कि इन प्रोजेक्ट्स

को पूरा होने में दो साल भी कम पड़ जाएंगे। इनमें थर्ड और फोर्थ लाइन, साकेत उन्नत मार्ग, ठाणे-बोरीवली अंडरपास, मेट्रो-4, मेट्रो 12, मेट्रो 5 समेत कई बड़े प्रोजेक्ट्स शामिल हैं।

पिछले चार से पांच सालों में ठाणे जिले में कई बड़े प्रोजेक्ट्स की नींव रखी गई है। इसमें जिले के सभी शहरों में मेट्रो लाइन, रेलवे लाइनों का विस्तार, एलिवेटेड रोड बनाना, बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट, फ्रेट स्पेशल रेलवे लाइन जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं। इन सभी प्रोजेक्ट पर जिले में अलग-अलग जगहों पर काम चल रहा है। 2025 में जारी इस इकोनॉमिक सर्वे रिपोर्ट में ठाणे जिले में कई ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के पूरा होने का अनुमानित समय बताया गया था।

इसके बाद, इस साल 2026 की इकोनॉमिक सर्वे रिपोर्ट में इन प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस का रिव्यू किया गया है और उनकी बदली हुई पूरी होने की तारीखों का ज़िक्र किया गया है। इस तुलना से यह साफ़ है कि ज़्यादातर प्रोजेक्ट को पूरा होने में लगभग दो से तीन साल लगेंगे। हालाँकि, काम की प्रोग्रेस के परसेंटेज को देखते हुए यह साफ़ है कि इन प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए दो साल भी कम होंगे।

ठाणे जिले में बढ़ती आबादी, गाड़ियों की बढ़ती संख्या और रोज़ाना आने-जाने में बढ़ती भीड़ को देखते हुए मेट्रो लाइन, नई सड़कें, फ्लाईओवर और रेलवे लाइन बहुत ज़रूरी प्रोजेक्ट हैं। इन प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी, मीरा-भायंदर और दूसरे इलाकों के लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। साथ ही, मुंबई और पालघर जैसे पड़ोसी जिलों से कनेक्टिविटी भी तेज़ हो जाएगी। इस बीच, हालांकि इन प्रोजेक्ट्स के काम में तेज़ी लाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन ज़मीन अधिग्रहण, टेक्निकल प्रोसेस और एडमिनिस्ट्रेटिव कदमों की वजह से कुछ प्रोजेक्ट्स का समय बढ़ गया है। इसलिए, यह साफ़ है कि ठाणे जिले के लोगों को ट्रैफिक जाम से पूरी तरह राहत पाने के लिए अभी कुछ और समय इंतज़ार करना होगा।

2025-26 स्टेट इकोनॉमिक सर्वे प्रोजेक्ट डिटेल्स

सड़कें
- ठाणे से बोरीवली सबवे का काम – 2028 में पूरा होगा
- बालकूम से गायमुख ठाणे रोड – 2028 में पूरा होगा
- आनंद नगर से साकेत एलिवेटेड रोड – 2028 में पूरा होगा

रेलवे
- कल्याण – बदलापुर तीसरी और चौथी लाइन – मार्च 2027 में पूरी होगी (अभी तक सिर्फ़ 30 परसेंट पूरा हुआ है)
- कल्याण – आसनगांव चौथी लाइन – दिसंबर 2026 में पूरी होगी (अभी तक सिर्फ़ 16 परसेंट पूरा हुआ है)

मेट्रो लाइन्स
- ठाणे – भिवंडी – कल्याण मेट्रो – जून 2030 में पूरी होगी
- वडाला – घाटकोपर – ठाणे – कासरवडावली – नवंबर 2027 में पूरी होगी
- गायमुख से शिवाजी चौक (मीरा रोड) – मार्च 2030 में पूरी होगी
- कल्याण तलोजा – दिसंबर 2027 में पूरा होगा

प्रशासनिक पारदर्शिता का 'उल्हासनगर पैटर्न' सफल

मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ई-गवर्नेंस कैंपेन में राज्य में तीसरे स्थान पर!

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने महाराष्ट्र सरकार के '150-दिन के स्पेशल एक्शन प्लान' कैंपेन में सुनहरा प्रदर्शन किया है।

मनपा की प्रशासन और आयुक्त मनीषा आव्हाले (B.P.S.) को ई-गवर्नेंस और डिजिटल एडमिनिस्ट्रेटिव सुधारों में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए राज्य लेवल पर 'तीसरे' रैंक से सम्मानित किया गया है। यह अवॉर्ड सेरेमनी हाल ही में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों और कल्चरल मिनिस्टर आशीष शेलार की मौजूदगी में हुई थी।

यह खास कैंपेन राज्य में

मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले के नेतृत्व में, महानगर पालिका ने पिछले 150 दिनों में अपना एडमिनिस्ट्रेटिव चेहरा बदल दिया है, और ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में यह बड़ी छलांग सच में तारीफ के काबिल है।

-अजय साबले
सहायक आयुक्त

मुख्य रूप से इन बातों पर दिया गया ध्यान

- **ई-ऑफिस सिस्टम :** अंदरूनी काम में पेपरलेस कल्चर अपनाना।
- **एडवांस्ड टेक्नोलॉजी :** GIS का असरदार इस्तेमाल।
- **नागरिक सेवाएं :** WhatsApp चैटबॉट और 'आपले सरकार' पोर्टल पर सेवाओं की स्पीड।

एडमिनिस्ट्रेटिव काम में तालमेल लाने और नागरिकों को 'घर बैठे सर्विस' देने के लिए शुरू किया गया था। इस कैंपेन को एक थर्ड-पार्टी ऑर्गनाइजेशन, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (QCI) ने कड़े क्राइटेरिया पर जांचा था।

राज असरोंडकर 1 अप्रैल से भूख हड़ताल पर

उल्हासनगर. स्थानीय कैंप क्रमांक 3 के शांतिनगर परिसर स्थित हिंदू श्मशान भूमि में लगी डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा को श्मशान भूमि से सम्मानपूर्वक हटाकर इस प्रतिमा को अन्यत्र स्थल पर स्थापित करने की पिछले लंबे समय से मांग की जा रही है. लेकिन मनपा प्रशासन इस पर कोई ध्यान नहीं दे रही है. इस मांग को लेकर शहर के सामाजिक कार्यकर्ता राज असरोंडकर 1 अप्रैल से अनशन शुरू करने जा रहे है.

उन्होंने गृह सचिव मनीषा म्हैस्कर को ईमेल के जरिए आगाह किया है कि वे इस जनहित की मांग को लेकर 1 अप्रैल से मुंबई स्थित उनके बंगले के सामने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठेंगे.

मुख्याधिकारी का तबादला किया जाए

■ पत्रकार ने दिया जिलाधिकारी को निवेदन

अंबरनाथ. अंबरनाथ के एक पत्रकार को बुवापाड़ा में एक टूटी गटर के निर्माण कार्य के लिए गत एक वर्ष से मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ 'कल आओ, परसों आओ' करके उनके द्वारा किए गए जायज मांग को अभी तक पूरा नहीं करने पर मुख्याधिकारी के चक्कर लगाकर और उनके साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार से परेशान होकर पत्रकार नवाज अब्दुल सत्तार वणू ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं जिलाधिकारी ठाणे को मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ के तबादले की मांग की है. नगर विकास मंत्रालय ने भी इस मामले

को गंभीरता से लिया है. नवाज वणू दिवारा दिए गए निवेदन में कहा गया है कि उन्होंने सन 2024 में बुवापाड़ा निवासी सायरा महबूब शेख के घर के पास की टूटी गटर को बंदिस्त गटर निर्माण करने की मांग की थी. अधिकारियों ने दौरा करके टूटी गटर को देखकर गटर निर्माण का प्रस्ताव भी मुख्याधिकारी के समक्ष रखा है. उनसे बार-बार भेंट करने पर उन्होंने उनसे कहा कि इस काम के लिए बार-बार आने का नहीं.

वणू का कहना है कि एक पत्रकार के छोटे से काम के बारे में उनका इस तरह से इंकार करना ये बताता है कि वह आम नागरिकों के बारे में उनका इस तरह का व्यवहार करते होंगे. वणू ने आरोप लगाया है कि मुख्याधिकारी जनता का काम नहीं करते हैं. कुछ खास लोगों का ही काम करते हैं. मुख्याधिकारी जनता के सेवक नहीं है. कुछ खास लोगों का ही काम करते हैं. मुख्याधिकारी जनता के सेवक नहीं है. उनका अंबरनाथ नपा से तबादले की मांग वणू ने की है. मुख्याधिकारी ने उनका अपमान भी किया है. ऐसा उन्होंने उप मुख्यमंत्री एवं जिलाधिकारी को दिए गए निवेदन में कहा है.

गोदाम में चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

- 3.75 करोड़ का माल बरामद
- 6 आरोपी गिरफ्तार
- 14 से 16 फरवरी के बीच हुई थी चोरी

भिवंडी. पुलिस ने एक हाई-प्रोफाइल चोरी मामले की जांच करते हुए एक गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया और उनके पास से चोरी किए गए महंगे कैमरे, लेंस और अन्य सामान बरामद किए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, 14 से 16 फरवरी के बीच मुंबई-नासिक हाईवे पर स्थित वडपे गांव के 'रिचलैंड कॉम्प्लेक्स' में के. डब्ल्यू.ई. इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम में सेंधमारी हुई थी। चोरों ने वहां से कैनन कंपनी के कैमरे और लेंस चोरी किए थे, जिनकी कुल कीमत लगभग 3 करोड़ 50 लाख रुपये थी।

ठाणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ. डी.एस. स्वामी के निर्देशानुसार, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक हर्षवर्धन बारवे के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी जांच और गुप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाया और गिरोह के मुख्य सदस्यों को हिरासत में लिया।

आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने निम्नलिखित माल जब्त किया कैनन कैमरेः 118 नग, कैनन लेंसः 106 नग, MVR मशीनः 2 नग, वाहनः चोरी में इस्तेमाल की गई अर्टिगा कार, इको गाड़ी और एक स्कूटी। एक दूसरे मामले में चोरी की गई 52 लाख 34 हजार रुपये की हार्ड डिस्क और अन्य सामग्री। कुल मिलाकर पुलिस ने 3 करोड़ 75 लाख रुपये का माल बरामद करने में सफलता मिली है.

पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान इस गिरोह ने भिवंडी तालुका क्षेत्र के एक अन्य गोदाम से हार्ड डिस्क और अन्य कीमती सामान चोरी करने की बात भी स्वीकार की है। इस गिरोह के कुछ सदस्य अब भी फरार हैं, जिनकी तलाश पुलिस उपनिरीक्षक नरेश निंबालकर और उनकी टीम कर रही है।

पकड़े गए आरोपियों के नाम...

पकड़े गए आरोपियों के नाम इस प्रकार हैं किरण मनोहर टोले (29 वर्ष, शाहपुर), राहुल भगवान दिवेकर (28 वर्ष, भिवंडी), शब्बीर अली मोहम्मद युसूफ शेख (34 वर्ष, भिवंडी), आशिष मधुकर पाटील (33 वर्ष, भिवंडी) प्रमोद मनोहर टोले और गिरीष अशोक अधिकारी।

उल्हासनगर में भी अफवाहों का बोलबाला

■ पेट्रोल पंपों पर लग रही लंबी लाइनें

उल्हासनगर. उल्हासनगर में भी पेट्रोल पंपों पर गाड़ी मालिकों की लंबी लाइनें देखी जा रही हैं। पेट्रोल और डीज़ल की सप्लाई बंद होने की अफवाह के डर से लोग फ्यूल भरवाने के लिए दौड़ पड़े। खास बात यह है कि पंप मालिकों

के बार-बार भरोसा दिलाने के बावजूद कि काफी स्टॉक है, लोग सुनने को तैयार नहीं हैं।

उल्हासनगर के वीनस चौक, गांधी रोड, श्रीराम चौक, काजल पेट्रोल पंप, 17 सेक्शन, हीराघाट पेट्रोल पंपों पर सुबह से ही गाड़ियों की लाइन लगी हुई है।

दोपहिया और चारपहिया वाहनों ने सड़कों पर कब्ज़ा कर लिया है, जिससे कई जगहों पर ट्रैफिक जाम हो गया है। लोग अपनी गाड़ियों की टंकी भरवाने के लिए दोपहर की चिलचिलाती धूप में आधे घंटे से एक घंटे तक लाइनों में खड़े हैं।

अंबरनाथ में दो कीमती जावा बुलेट चोरी

अंबरनाथ. अंबरनाथ में 24 और 26 मार्च को दो कीमती रॉयल जावा इन्फील्ड बुलेट की चोरी हुई है. अंबरनाथ पुलिस स्टेशन की हद में ग्लोब बिजनेस पार्क जयहिंद बैंक के सामने एवं शहर पूर्व में शिवाजी नगर पुलिस की हद में कैलाश नगर रिक्शा स्टैंड के समक्ष से किसी अज्ञात चोर ने दोनों रॉयल इन्फील्ड कंपनी की बुलेट 350 ES मोटरसाइकिल की चोरी की है. मातोश्री नगर विम्को नाका निवासी संजय नाईक (50) ने अंबरनाथ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि उन्होंने उनकी बुलेट (क्र. एमएच

05 ईजी 6667) 24 मार्च को सुबह 10 से शाम 7 बजे तक ग्लोब बिजनेस पार्क के पास जयहिंद बैंक के सामने खड़ा करके रखा था कि किसी अज्ञात चोर ने उनकी बुलेट चोरी कर ली है.

26 मार्च को सहर पूर्व के कैलाश नगर निवासी इमरान अफजल खान ने शिवाजी नगर पुलिस को बताया है कि उन्होंने अपनी खाकी रंग की रॉयल इन्फील्ड बुलेट रात 10 बजे से सुबह 5 बजे के बीच कैलाश नगर रिक्शा स्टैंड के पास खड़ा करके रखा था. जिसका नंबर एमएच 05 ईजी 6267 है. जो कि सन 2020 का मॉडल है. किसी अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया है. दो दिनों के भीतर दो बुलेट की चोरी हुई है. दोनों पुलिस स्टेशन ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है और चोर की तलाश कर रही है.

माचिस देने से इनकार करने हत्या

मुंबई. मुंबई के धारावी इलाके में मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है. यहाँ महज माचिस देने से इनकार करने पर तीन नाबालिगों ने फुटपाथ पर सो रहे एक 55 वर्षीय व्यक्ति की कथित तौर पर हत्या कर दी. धारावी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर किशोर न्यायालय के समक्ष पेश किया है. घटना सुबह की है. गश्त के दौरान पुलिस इंस्पेक्टर संगीता माने को सायन-बांद्रा लिंक रोड पर टी-जंक्शन के पास एक व्यक्ति लहूलुहान और बेहोश हालत में मिला था.

GIP डैम में व्यक्ति की डूब कर मौत

■ फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने लाश को बाहर निकाला

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व के जीआईपी सेंट्रल रेलवे के (डैम) तालाब में एक व्यक्ति को पानी में डूब कर मौत हो गई है. अंबरनाथ फायर ब्रिगेड के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद इस व्यक्ति का शव गहरे तालाब से निकालकर शिवाजी नगर पुलिस के स्वाधीन किया. इस व्यक्ति का नाम शंकर थापा (35) बताया गया है. आजकल गरमी बहुत ज्यादा है. गरमी से राहत पाने के लिए शंकर नहाने के लिए डैम में कूद गया. उसको पानी की गहराई का अंदाज नहीं होने के वह पानी में डूब गया और उसकी मौत हो गई. अंबरनाथ अग्निशमन दल के लीडिंग फायर मैन जयवंत गायकर ने हमें ये जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने स्वनातेज कांबले, फायरमैन अक्षय नरसाले, कृषि पाटिल, सौरभ मोरे ने गहरे तालाब से शंकर के शव को

बाहर निकाल कर पुलिस के हवाले किया है. विदित हो कि ग्रेट इंडिया पेनिनसुला (जीआईपी) तालाब शहर पूर्व में काकोले गांव के पासस्थित है. ये तालाब सेंट्रल रेलवे की मिल्कियत है. इस तालाब के पानी से रेलवे 'रेल नीर' पानी की बोतल तैयार कर लाखों लीटर पानी रेलवे मुसाफिरों को कम कीमत में देती है. इस तालाब के आसपास हदबंदी नहीं की गई है, जिसके कारण हर वर्ष इस तालाब में डूबकर मौत होती है. ये तालाब गहरा है और काफी बड़ा, लंबा-चौड़ा है, जिसमें 12 महिने पानी एकत्रित रहता है.

हाजीमलंग के लिए फ्युनिकुलर, लेकिन नागरिक सुविधाएं नदारद

- गढ़ पर रहने वाले लोग ज़िंदा रहने के लिए जूझ रहे
- श्रद्धालु कचरे के ढेर और बदबू से परेशान

उल्हासनगर. हाजीमलंग आज भी इस किले पर नागरिक सुविधाओं की कमी है। अगर कोई बीमार पड़ जाए, तो यहां दवा के लिए भी कोई डॉक्टर मौजूद नहीं है। पूरा इलाका गंदगी से भरा है और यहां आने वाले श्रद्धालु सचमुच बदबू से परेशान रहते हैं।

हाजीमलंग रायगढ़ और ठाणे ज़िले की सीमा पर एक किला है। हाजीमलंग गढ़ की ऊंचाई समुद्र तल से लगभग 800 मीटर है। करीब 700 साल पहले इस इलाके पर नल राजा का राज था। अरबी धर्म के प्रचारक हाजी अब्दुल रहमान यमन से अपने अनुयायियों के साथ हाजीमलंग की पहाड़ियों में आए थे।

नल राजा ने अब्दुल रहमान की

ईमानदारी की परीक्षा ली। वह इस परीक्षा में पास हो गए। इसके बाद उन्होंने अपनी बेटी की शादी हाजी अब्दुल रहमान से कर दी। कहा जाता है कि अब्दुल रहमान और उनकी पत्नी की कब्रें आज भी हाजीमलंग में हैं।

हालांकि, गोरखनाथ संप्रदाय को मानने वाले भक्तों के अनुसार, यहां की कब्र मछिंद्रनाथ की है। यहां मछिंद्रनाथ और गोरखनाथ का मंदिर भी है। पेशवा काल में, यहां की कब्र की देखभाल और मंदिरों की पूजा का जिम्मा कल्याण के एक ब्राह्मण काशीनाथ केतकर पर था। आज भी यहां पूजा का सम्मान केतकर परिवार को दिया जाता है। हाजीमलंग पहुंचने के लिए भक्तों को 3600 पत्थर की सीढ़ियां चढ़नी पड़ती थीं। हालांकि, बारह साल से अटके फनिक्युलर प्रोजेक्ट को पिछले महीने शुरू किया गया।

इस वजह से किले पर भक्तों और टूरिस्ट की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। लेकिन, किले में घूमने के बाद भक्तों को कूड़े के ढेर, गंदगी, बदबू, टूटी पत्थर की सीढ़ियां, धूल भरी सड़कें, भिखारी वगैरह का सामना करना पड़ता है। इससे भक्त बहुत दुखी होते हैं। इतना ही नहीं, 10वीं के बाद पढ़ाई की सुविधा न होने की वजह से लोग यहां से पलायन करते दिख रहे हैं। इसलिए, मांग है कि राज्य सरकार इस किले पर ज़रूरी सुविधाओं, साफ-सफाई, हेल्थ सर्विस वगैरह की ज़िम्मेदारी ले।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

टॉयलेट की कमी से छूट रही पढ़ाई

भारत में विकास की चमकती तस्वीर के बरक्स शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में लड़कियों की पढ़ाई छूट जाना चिंता का विषय है। यह स्वच्छ भारत और स्वच्छ विद्यालय अभियान के लक्ष्य पर भी सवालिया निशान है।

गौरतलब है कि हाल ही में सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी एक रपट में बताया गया है कि पिछले वर्षों के मुकाबले वर्ष 2022-23 में लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की सुविधा में गिरावट दर्ज की गई। विद्यालयों में लैंगिक समानता बनाए रखने और लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा है।

मगर जमीनी सच्चाई यही है कि कई सरकारी विद्यालयों में शौचालय बदतर स्थिति में हैं। न तो उनकी सफाई होती है और न ही वहां पानी की व्यवस्था होती है। गौरतलब है कि इस साल जनवरी में शीर्ष न्यायालय ने भी केंद्र और सभी राज्यों को स्कूलों में लड़के-लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था करने का निर्देश देते हुए उनमें पानी और साबुन की व्यवस्था करने की भी हिदायत दी थी।

तस्वीर कितनी बदली है, अभी कहा नहीं जा सकता, लेकिन स्थिति की गंभीरता समझी जा सकती है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रपट से यह भी साबित हुआ है कि विद्यालयों में शौचालय की खराब हालत के लिए प्रशासन की सुस्ती कम जिम्मेदार नहीं है। हैरत की बात है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान विद्यालयों में महज 0.3 फीसद सुविधा ही बढ़ पाई।

अगर शौचालयों की कमी के कारण लड़कियों की पढ़ाई छूट रही है, तो समूचे शिक्षा के परिदृश्य में इससे अफसोसनाक स्थिति और क्या होगी? इसके लिए स्कूलों की देखरेख से संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

इसमें दोराय नहीं कि गंदा शौचालय और वहां पानी का अभाव लड़कियों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। कई विद्यालयों में शौचालय न होने के कारण लड़कियां विद्यालय नहीं जातीं, जिससे उनकी पढ़ाई पर असर पड़ता है। सवाल है कि स्वच्छ शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव की समस्या की हकीकत के समांतर स्वच्छ विद्यालय अभियान के लक्ष्य को कितना सार्थक कहा जा सकता है!

विचार : राम भाव में ही है मनुष्यता का भविष्य

शाश्वत मूल्य बोध के विग्रह स्वरूप श्रीराम भारतीय संस्कृति के एक ऐसे लोक-विश्रुत मानवीय उत्कर्ष हैं जो पढ़े-लिखे और अनपढ़ समाज के हर वर्ग के लिए युगों-युगों से प्रेरणा के स्रोत बने हुए हैं। साहित्य जगत ने राम-कथा में कल्पना और रस का अजस्र स्रोत ढूंढ़ा है और अनगिनत कवियों और लेखकों ने अपने सृजन का आधार बनाया। साहित्य की इस परंपरा का स्पष्ट संदेश है कि पृथ्वी पर श्रीराम का आविर्भाव और अवतरण मात्र लोक कल्याण के हित हुआ। उन्हें अयोध्या के राजा के पुत्र दशरथनंदन के व्याज से मानुष भाव में प्रतिष्ठित करते हुए भारतीय मनीषा मनुष्यता की चुनौतियों, उसके द्वंद्वों, संघर्षों और उपलब्धियों से परिचित कराते हैं। वाल्मीकि रामायण की प्राचीनता भी इस तथ्य की पुष्टि करती है। उसमें वर्णित श्रीराम की विलक्षण गाथा मनुष्य द्वारा सत्य के चरम साक्षात्कार करते रहने के लिए निर्मम आह्वान करती है। यह अलौकिक गाथा इस तथ्य को रेखांकित करती है कि कदाचित मनुष्य जीवन की यह एक अनिवार्य विडंबना है कि उसमें ऊपर उठने और नीचे गिरने, दोनों तरह की प्रवृत्तियां सहज संभव हैं। जीवन में दिन और रात की तरह उत्कर्ष और अपकर्ष दोनों की उपस्थिति स्वाभाविक है। इनके बीच संतरण के लिए धर्म के अनुकूल कर्तव्य पालन ही एकमात्र साधन उपलब्ध है। यही वह रसायन या प्रौद्योगिकी है, जो जीवन में अनुभव की जाने वाली सीमाओं को संभावनाओं में बदल देती है।

श्रीराम का पूरा जीवन ही विभिन्न भूमिकाओं के आपसी द्वंद्वों और उससे जुड़ी तरह-तरह की

चिंताओं से भरा हुआ है। पुत्र, शिष्य, पति, भाई, युवा, मित्र, योद्धा और राजा आदि विभिन्न रूपों में श्रीराम लगातार एक से बढ़कर एक चुनौती का सामना करते हैं। उन्हें लगातार पीड़ा सहनी पड़ती है और दुख उठाने पड़ते हैं। एक प्रतापी राजा के युवराज होने पर भी उनके धैर्य की परीक्षा कदम-कदम पर जीवन भर निरंतर ली जाती रही। लंकापति रावण के रूप में उनके सम्मुख चरम जटिलता वाली चुनौती उपस्थित होती है। ज्ञानी और समृद्ध राजा होकर भी धर्म का विरोध करने की दुर्बुद्धि रावण को श्रीराम का शत्रु बना देती है। वह शौर्य में अद्वितीय था, फिर भी उसे धर्मविरुद्ध आचरण करने में किसी तरह की शंका नहीं होती। परिणामस्वरूप उसकी स्वर्णपुरी विनष्ट हो गई।

जीवन में आने वाले संघर्षों के समाधान के लिए श्रीराम एक नीतिज्ञ के रूप में अपनी दैहिक, दैविक और भौतिक सभी तरह की शक्तियों को संयोजित करते हैं। वे नर हों या वानर, सबका सहयोग लेते हैं और धर्म की रक्षा करने का जतन करते हैं। वे स्वयं मर्यादा का निर्वाह करते हैं और उसके उल्लंघन को दंडित करना उनकी नीति है। श्रीराम के धर्म की गत्यात्मकता ही उनकी लोकप्रियता का मुख्य कारण है। तभी भारत के साथ कंबोडिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया जैसे कई देशों में श्रीराम लोकप्रिय हुए। वे जन-स्मृति का हिस्सा बनते गए और उनकी कथा सबके मानस में गहरे उतरती गई।

इसका प्रमाण है अनेकानेक भाषाओं में राम-कथा का निरंतर लेखन, अंकन, मंचन और गायन। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के लोकार्पण के बाद कुछ ही समय में करोड़ों भक्तों के आगमन और उनके दर्शन-लाभ लेने से श्रीराम की भारतीय मानस में उकेरी दिव्य छवि की पुष्टि हुई है। रामायण आज भारत की हर भाषा में है और सबने हृदय से उसे अपनाया, पर उसे आत्मसात करते हुए क्षेत्र विशेष की परंपराओं के अनुसार राम कथा के कथानक और आख्यानों में भी बदलाव आया। यह स्वाभाविक भी था, क्योंकि राम अपने हैं और अपना अपनों जैसा ही होना चाहिए। अवधी में रचित गोस्वामी तुलसीदास जी का 'रामचरितमानस' पिछली पांच सदियों से लोक जीवन में प्रतिष्ठित है।

आज के परिवेश में श्रीराम का स्मरण हमें अपने स्वभाव और कर्म पर विचार करने को उद्यत करता है। आज विश्व में युद्ध, आतंक और हिंसा की तीव्र और ऊंची लहरें सतत उठ रही हैं। इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के तात्कालिक कारण अक्सर बदले की भावना और उससे उपजती फौरी कारवाई होती है, परंतु अनावश्यक प्रतिस्पर्धा और लिप्सा सबको लीलती जा रही है। अनियंत्रित लोभ इनके लिए आवश्यक ऊर्जा जुटाते हैं। इसके पीछे आज की बदलती जीवन दृष्टि ही जिम्मेदार प्रतीत होती है। धर्म और अधर्म से परे अपनी शक्ति और प्रभाव को बढ़ाने और बढ़ाते रहना ही आज के विश्व में प्रिय हो रहा है, पर इसके दुष्परिणाम सर्वत्र दिख रहे हैं।

प्रेम के वृक्ष का सबसे मीठा फल सेवा है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.५० तक

होर्मुज पर नरमी से खुली उम्मीद की राह

पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने जवाब के तौर पर जो मोर्चे खोले, उसमें होर्मुज जलमार्ग को बाधित करना उसकी एक कारगर रणनीति साबित हुई है। इसी वजह से आज हालत यह है कि दुनिया के कई देश ईरान के सख्त रुख की वजह से कच्चे तेल और गैस के संकट का सामना कर रहे हैं।

इनमें वैसे देश भी हैं, जिन्होंने ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले में कोई प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं की है, वे किसी भी पक्ष में मैदान में नहीं हैं और मतभेद के मुद्दों का हल संवाद के जरिए करने के समर्थक हैं। भारत ने भी पश्चिम एशिया में उभरे संकट का समाधान बातचीत से निकालने के लिए आवाज उठाई है।

शायद यही वजह है कि अब ईरान ने होर्मुज जलमार्ग से चीन और रूस सहित जिन पांच देशों को अपने जहाज निकालने की छूट दी है, उनमें भारत भी शामिल है। यों भारत आने वाले चार जहाज पहले ही होर्मुज जलमार्ग को पार कर चुके हैं, लेकिन अठारह जहाज उसी इलाके में फंसे हुए थे।

ईरान के ताजा रुख के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि भारत के बाकी जहाज वहां से निकल कर आ सकेंगे और इससे देश में तेल और गैस के गहराते संकट को कम करने में मदद

मिलेगी। हालांकि अमेरिका और इजरायल को लेकर ईरान अब भी सख्त है और शांति प्रस्तावों को लेकर भी उसने कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। मगर होर्मुज जलमार्ग पर उसके रुख में आई नरमी से दुनिया के कुछ देशों को राहत मिल सकती है।

बाकी ईरान जिन्हें शत्रु देश मानता है, उनके जलपोतों को लेकर वह अब भी सख्त है। जहां तक भारत का सवाल है, तो ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि हमने कुछ ऐसे देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की इजाजत दी है, जिन्हें हम मित्र मानते हैं।

इसमें चीन, रूस, भारत, इराक तथा पाकिस्तान शामिल हैं। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से भारत ईरान के साथ लगातार कूटनीतिक संवाद के जरिए पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म कराने के साथ-साथ होर्मुज जलमार्ग से अपने लिए भी एक रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा था।

कुछ उतार-चढ़ाव को छोड़ दें, तो भारत और ईरान के संबंध दोस्ताना रहे हैं। ऐसे में अगर ईरान ने अगर होर्मुज जलमार्ग के रास्ते आवागमन के लिए भारत को भी सुविधा दी है, तो कूटनीतिक संवाद के एक सकारात्मक हासिल के साथ-साथ इसे उन्हीं संबंधों की एक कड़ी के तौर पर देखा जा सकता है। गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा रास्ता है, जिससे होकर दुनिया के कई देशों के जलपोत आवाजाही करते हैं। दुनिया के करीब बीस फीसद तेल और तरल प्राकृतिक गैस का परिवहन इसी रास्ते से होता है।

यही वजह है कि ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, उसके बाद से विश्व भर में तेल और गैस की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल आया है। भारत की भी ऊर्जा खरीद का एक प्रमुख स्रोत पश्चिम एशिया रहा है।

मौजूदा संकट के बीच सरकार ने तेल और गैस का पर्याप्त भंडार होने की बात कही है, लेकिन सच यह है कि आम लोग रसोई गैस, तेल और उर्वरकों की कमी से उपजी मुश्किल का सामना कर रहे हैं। अब होर्मुज जलमार्ग पर ईरान की नरमी से भले ही फौरी राहत मिल सके, लेकिन जरूरत इस बात की है कि संयुक्त राष्ट्र सहित सभी पक्षों की ओर से पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को खत्म कराने के लिए ठोस पहल हो।

दुनिया की वो पतली गली, जहां लगा है ट्रैफिक सिग्नल

दुनिया भर में आपने गाड़ियों के लिए ट्रैफिक सिग्नल देखे होंगे, लेकिन क्या कभी पैदल चलने वालों के लिए

जरा हट के

ट्रैफिक लाइट के बारे में सुना है? चेक रिपब्लिक की राजधानी प्राग के सबसे पुराने और ऐतिहासिक इलाके माला स्ट्राना में एक ऐसी गली मौजूद है, जो इतनी संकरी है कि वहां से एक बार में सिर्फ एक ही व्यक्ति गुजर सकता है. इस गली का नाम विनारना सर्टोवका है, जिसकी चौड़ाई मात्र 50 से 70 सेंटीमीटर के बीच है. यह गली करीब 10 मीटर लंबी है और दो इमारतों के बीच से होकर गुजरती है. इसकी संकीर्णता को देखते हुए यहां बाकायदा लाल और हरी ट्रैफिक लाइटें लगाई गई हैं, ताकि आने-जाने वाले लोग आपस में टकरा न जाएं. यह संकरी गली चार्ल्स ब्रिज के पास स्थित है और इसमें पत्थर की सीढ़ियां बनी हुई हैं जो 'यू लुजिकेहो सेमिनार' सड़क से 'सर्टोवका' रेस्टोरेंट की ओर ले जाती हैं.

वैसे तो यह गली रेस्टोरेंट तक

पहुंचने का एक रास्ता है, लेकिन अपनी अनूठी बनावट के कारण यह दुनिया भर के पर्यटकों के लिए एक बड़ा आकर्षण केंद्र बन गई है. यहां ट्रैफिक लाइटें इसलिए लगाई गई हैं, ताकि जब एक तरफ से कोई व्यक्ति गली में प्रवेश करे, तो वह बटन दबाकर दूसरी तरफ लाल बत्ती जला सके, जिससे सामने से आने वाला व्यक्ति रुक जाए और रास्ता खाली होने का इंतजार करे. सर्टोवका रेस्टोरेंट के मालिक एक बेहद दिलचस्प और थोड़ा मजाकिया वाकया याद करते हुए बताते हैं कि एक बार एक जर्मन महिला पर्यटक इस गली में बुरी तरह फंस गई थी. उन्होंने आगे कहा कि वह महिला काफी भारी शरीर की थी और गली के बीच में जाकर ऐसी फंसी कि न तो वह आगे बढ़ पा रही थी और न ही पीछे हट पा रही थी. आखिर में उस महिला के शरीर पर ढेर सारा साबुन लगाया गया, ताकि वह आसानी से फिसल सके. काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला जा सका. उस बेचारी महिला को अपना लंच कहीं और जाकर करना पड़ा. इतिहासकारों और स्थानीय लोगों के अनुसार, यह गली मूल रूप से आग से बचाव के लिए बनाई गई एक 'फायर पैसेज' थी, ताकि अगर कभी आग लगे तो उसे फैलने से रोका जा सके और लोग सुरक्षित निकल सकें.

चना दाल बिरयानी

खाना-खजाना

सामग्री :

- बासमती चावलः 1 कप
- चना दालः 1/2 कप
- प्याजः 2
- टमाटरः 2
- अदरक-लहसुन का पेस्टः 1 बड़ा चम्मच
- दहीः 3 बड़े चम्मच
- हरी मिर्चः 2-3
- खड़े मसालेः 1 तेजपत्ता, 4 लौंग, 2 छोटी इलायची, 1 इंच दालचीनी, 1 चम्मच जीरा
- पिसे मसालेः 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच धनिया पाउडर, 1 चम्मच बिरयानी मसाला
- घी या तेलः 3-4 बड़े चम्मच
- हरा धनिया और पुदीना
- नमकः स्वादानुसार

विधि :

सबसे पहले भीगी हुई चना दाल को हल्का सा उबाल लें। ध्यान रहे, दाल पक जानी चाहिए लेकिन पूरी तरह से गलनी या टूटनी नहीं चाहिए। इसी तरह चावलों को भी 80% तक उबाल कर पानी निकाल लें। उबलते पानी में थोड़ा नमक और खड़े मसाले डाल दें ताकि चावलों में अच्छी खुशबू आ जाए। एक भारी तले वाले पैन या कुकर में घी या तेल गरम करें। इसमें जीरा और बचे हुए खड़े मसाले डालें। अब बारीक कटा प्याज डालकर उसे गोल्डल ब्राउन

होने तक भूनें। गार्निशिंग के लिए थोड़े से भुने हुए प्याज एक कटोरी में अलग निकाल लें। इसके बाद, पैन में बचे हुए प्याज में अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर 1 मिनट तक भूनें। अब कटे हुए टमाटर और सभी पिसे हुए मसाले डाल दें। जब टमाटर नरम हो जाएं और तेल छोड़ने लगें, तो गैस की आंच बिल्कुल धीमी करके फेंटा हुआ दही और बिरयानी मसाला मिला दें। जब ग्रेवी अच्छे से पक जाए, तब इसमें उबली हुई चना दाल डालें और 2-3 मिनट तक मसाले के साथ अच्छे से भूनें। इसमें थोड़ा-सा बारीक कटा हरा धनिया और पुदीना भी मिला दें। अब तैयार दाल के मसाले के ऊपर उबले हुए चावलों की एक समान परत बिछाएं। इसके ऊपर पहले से निकाला हुआ भुना प्याज, हरा धनिया, पुदीना और 1 चम्मच देसी घी डाल दें। बर्तन को ढक्कन से अच्छी तरह बंद करें और बिल्कुल धीमी आंच पर 10-15 मिनट के लिए 'दम' पर पकने दें। गरमागरम और खुशबूदार ढाबा स्टाइल चना दाल बिरयानी तैयार है।

शुगर का हेल्दी विकल्प शहद-गुड़ !

■ क्या इसे डायबिटीज मरीज भी खा सकते हैं?

पिछले कुछ सालों में गुड़ और शहद, सफेद चीनी और रिफाइंड चीनी के दो सबसे हेल्दी नेचुरल विकल्पों के रूप में फेमस हुए है. बहुत से लोग जो अपने ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं, उनका मानना है कि इन दोनों में से किसी एक चीज का इस्तेमाल करना, सफेद चीनी के इस्तेमाल से ज्यादा सेफ होगा. ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि डायबिटीज के मरीजों के लिए गुड़ या शहद सही हैं या नहीं.

सुरभि शर्मा, हेड – डायटेटिक्स और नुट्रिशन, मैक्स हॉस्पिटल गुरुग्राम बताती हैं कि गुड़ और शहद देखने में सफेद चीनी के मुकाबले ज्यादा हेल्दी और नेचुरल लग सकते हैं. डायबिटीज वाले लोगों के लिए ये चीनी का सुरक्षित

विकल्प नहीं हैं. इनका ग्लाइसेमिक रिस्पॉन्स तेज होता है, इनमें चीनी की मात्रा ज्यादा होती है, और शरीर के मेटाबॉलिज्म पर इनका भी वैसा ही असर होता है, जैसा कि रिफाइंड चीनी का होता है. इसलिए, इनका सेवन बहुत सावधानी से, बहुत थोड़ी मात्रा में, और तभी करना चाहिए जब खून में ग्लूकोज का लेवल पूरी तरह से कंट्रोल में हो.

डायबिटीज में चीनी खाने शुगर कितना बढ़ता है?

डायबिटीज को मैनेज करने के लिए ग्लाइसेमिक इंडेक्स (GI) सबसे जरूरी फैक्टर है. GI यह मापता है कि किसी चीज को खाना खाने के बाद, खून में ब्लड शुगर का लेवल को कितना बढ़ा सकता है. रिफाइंड चीनी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स आम तौर पर लगभग 65 होता है. इसका मतलब है कि जब आप रिफाइंड चीनी खाते हैं, तो आपको बहुत कम समय में, ज्यादातर मामलों में, लगभग 30 मिनट में अपने ब्लड शुगर लेवल में अचानक तेजी देखने को मिलेगी.

ब्लड शुगर पर शहद और गुड़ खाने का असर

एक्सपर्ट बताती हैं कि शहद और गुड़ दोनों को ही रिफाइंड चीनी के मुकाबले ज्यादा सेहतमंद ऑप्शन माना जाता है. शहद और गुड़ का GI 50-60 के बीच होता है. हालांकि यह रिफाइंड चीनी से कम है, फिर भी इसमें इतना ज्यादा फर्क नहीं है. शहद या गुड़ को ऐसा खाना नहीं माना जाना चाहिए जिसे बिना किसी रोक-टोक के खाया जा सके, क्योंकि शहद और गुड़, दोनों ही ब्लड शुगर लेवल में तुरंत बढ़ोतरी कर सकते हैं.

डायबिटीज में गुड़-शहद खाना सेफ है या नहीं?

एक्सपर्ट इस सवाल का जवाब देते हुए बताती हैं कि इसका कोई एक सीधा-सा जवाब 'हां' या 'नहीं' में नहीं है. अगर खून में शुगर का लेवल ठीक से कंट्रोल में नहीं है, तो मैं आमतौर पर यही सलाह दूंगी कि आप शहद और गुड़ समेत सभी तरह की एक्सेसिव चीनी से परहेज करें. एक और बात जिस पर ध्यान देना जरूरी है, गुड़ और शहद के प्रति शरीर की मेटाबोलिक प्रोसेस. डायबिटीज वाले लोगों के मामले में, शरीर इन नेचुरल चीजों और चीनी के दूसरे रूपों के बीच कोई फर्क नहीं करता है. जब कोई डायबिटीज वाला व्यक्ति शहद या गुड़ खाता है, तो ये दोनों कार्बोहाइड्रेट टूटकर ग्लूकोज में बदल जाते हैं, जो खून में मिल जाता है. इससे खून में ग्लूकोज का लेवल बढ़ जाता है, और फिर पैंक्रियाज को इस बढ़ोतरी को रोकने के लिए इंसुलिन छोड़ना पड़ता है. जिन लोगों में इंसुलिन बनने की क्षमता कम होती है या जो इंसुलिन के प्रति कम सेंसिटिव होते हैं, उनके लिए यह सिस्टम ठीक से काम नहीं करता. इससे ऐसे खून में ग्लूकोज का लेवल बहुत ज्यादा बढ़ने का खतरा रहता है.

डायबिटीज के लिए हेल्दी स्वीटनर

डायबिटीज वाले लोगों में ग्लूकोज़ का लेवल बेहतर करने के लिए, उन्हें ऐसे दूसरे मीठे स्वीटनर्स पर विचार करना चाहिए, जिनका ग्लूकोज के लेवल पर ज्यादा असर न पड़े. ऐसे मीठे विकल्पों में स्टीविया और मोंक फ्रूट शामिल हैं, ये ग्लूकोज का लेवल बहुत ज्यादा नहीं बढ़ाते. इसके अलावा, फाइबर, साबुत अनाज, लीन प्रोटीन और स्वस्थ फैट से भरपूर संतुलित आहार लेने से ग्लूकोज का लेवल स्थिर रखने में मदद मिलती है.

आज का राशिफल

मेष : लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें।

वृषभ : शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन : धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा। विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता बनी रहेगी।

कर्क : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। वाणी पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

सिंह : संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। पारिवारिक चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा।

कन्या : व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में निवेश सोचसमझ कर करें.

तुला : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शारीरिक कष्ट संभव है।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

धनु : कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देंगे।

मकर : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा। बड़ा काम करने की योजना बनेगी। लाभ होगा।

कुंभ : सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। चोट व रोग से बचें। यश बढ़ेगा। बेचैनी रहेगी। जल्दबाजी न करें।

मीन : शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बार-बार सिर दर्द क्यों होता है?

■ बिना पेनकिलर ठीक करने का आयुर्वेदिक उपाय

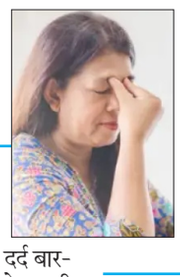

आजकल सिर दर्द होना एक आम समस्या बन गई है. लोग इसे अक्सर काम की थकान या तनाव का असर मानते हैं, लेकिन अगर सिर दर्द बार-बार हो रहा है या सिर भारी रहता है, तो इसकी असली वजह पेट की खराबी भी हो सकती है.

हममें से ज्यादातर लोग सिर दर्द होते ही तुरंत पेन किलर ले लेते हैं, जिससे थोड़ी देर के लिए आराम मिल जाता है. लेकिन यह सिर्फ अस्थायी राहत है. असल समस्या को समझना जरूरी है, क्योंकि कई बार सिर दर्द का कारण दिमाग नहीं, बल्कि खराब पाचन होता है.

पाचन से जुड़ा तार

आयुर्वेद के अनुसार, हमारा सिर और पाचन तंत्र आपस में जुड़े हुए हैं. जब खाना ठीक से नहीं पचता, तो शरीर में वात, पित्त और कफ का संतुलन बिगड़ जाता है. इसका असर सिर की नसों पर भी पड़ता है. कभी गैस बनने से सीने और पेट में जलन होती है, तो कभी कब्ज की वजह से सिर भारी लगता है और शरीर सुस्त हो जाता है.

अंदर की गड़बड़ी का संकेत

इसलिए बार-बार होने वाले सिर दर्द को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. यह शरीर का संकेत है कि अंदर कुछ गड़बड़ है. जब शरीर से गंदगी या विषैले तत्व बाहर निकलते हैं, तो व्यक्ति खुद को हल्का और तरोताजा महसूस करता है. अब सवाल आता है कि इससे बचने के लिए क्या किया जाए.

■ आयुर्वेद में सिर दर्द का आसान इलाज

■ नस्य क्रिया

इसमें नाक में कुछ बूंदें तेल की डाली जाती हैं, इससे दिमाग पर पड़ने वाला दबाव कम होता है और पित्त दोष भी संतुलित होता है. यह तरीका सिर दर्द में काफी राहत दे सकता है.

■ धनिया और मिश्री का पानी

रात में धनिया और मिश्री को पानी में भिगो दें और सुबह इस पानी को पी लें. यह पेट साफ करने में मदद करता है और कब्ज की समस्या को दूर करता है. जब पेट सही रहेगा, तो सिर दर्द भी कम होगा.

■ सोंठ का लेप

अगर सिर दर्द बार-बार परेशान कर रहा है, तो सोंठ (सूखी अदरक) का लेप लगाना फायदेमंद हो सकता है. सोंठ को पानी में मिलाकर पेस्ट बनाएं और माथे पर लगाएं. इससे दर्द में राहत मिलती है.

बची हुई कॉफी से करें सिंक की सफाई

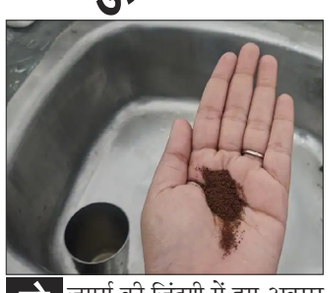

रोजमर्रा की जिंदगी में हम अक्सर बची हुई चीजों को बेकार समझकर फेंक देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी बची हुई कॉफी घर की सफाई में कमाल कर सकती है. जी हां, जिस कॉफी को आप पीने के बाद बेकार मान लेते हैं, वही आपके सिंक को चमकाने का सुपरहीरो बन सकती है. यह एक सस्ता, आसान और इको-फ्रेंडली तरीका है, जो बिना केमिकल्स के आपके किचन को चमका सकता है.

गृहिणी पूनम ने बताया कि कॉफी में मौजूद नेचुरल एसिड और हल्के अब्रेसिव पार्टिकल्स गंदगी को हटाने में बेहद कारगर होते हैं. खासकर सिंक में जमी चिकनाई और दागों को साफ करने में यह शानदार काम करती है. यही कारण है कि अब कई लोग महंगे क्लीनर की जगह इस घरेलू नुस्खे को अपना रहे हैं. यह न केवल सफाई करता है बल्कि सिंक को नया जैसा लुक भी देता है.

अगर आपके सिंक में जिद्दी दाग या ऑयली परत जम गई है, तो बची हुई कॉफी को सीधे उस पर रगड़ें. कुछ देर हल्के हाथों से स्क्रब करने के बाद पानी से धो लें. आप देखेंगे कि सिंक की चमक पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है. खास बात यह है कि इससे सिंक पर किसी तरह का नुकसान भी नहीं होता

कॉफी ग्राउंड्स में मौजूद टेक्सचर स्क्रब की तरह काम करता है, जो स्टील या सिरेमिक सिंक को बिना खरोंच पहुंचाए साफ कर देता है. यह खासकर उन लोगों के लिए बेहतरीन है, जो केमिकल बेस्ड क्लीनर से दूरी बनाना चाहते हैं. इसके इस्तेमाल से आपको एक नेचुरल और सेफ क्लीनिंग एक्सपीरियंस मिलता है.

सिर्फ सिंक ही नहीं, कॉफी का इस्तेमाल आप गैस स्टोव और किचन काउंटर की सफाई में भी कर सकते हैं. जहां भी ग्रीस या जमी हुई गंदगी दिखे, वहां थोड़ी कॉफी लगाकर रगड़ें. इससे गंदगी आसानी से निकल जाती है और सतह साफ और फ्रेश दिखने लगती है. यह तरीका हर घर के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बहन को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देखा; दोनों ने गला दबाकर मार डाला

बाराबंकी. बाराबंकी के मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में एक गांव में गुरुवार दोपहर बालिका की हत्या उसकी बड़ी बहन ने प्रेमी के साथ मिल कर की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबा कर हत्या की पुष्टि हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने आपत्तिजनक स्थिति में बालिका ने देख लिया था। गुरुवार दोपहर 11 वर्षीय बालिका का शव गेहूं के खेत में मिला था। उसके गले पर खरोंच के निशान थे। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया था। सुरक्षा के लिए शुक्रवार को गांव में पुलिस के साथ ही पीएसी तैनात की गई थी। शाम चार बजे पोस्टमार्टम के बाद बालिका का शव गांव लाया गया तो कोहराम मच गया। पुलिस ने मशक्कत के बाद पांच बजे शव का अंतिम संस्कार कराया।

यूपी से फरार इनामी TTE बिहार की जेल में मिला

: उत्तर प्रदेश के वाराणसी-भटनी रेल खंड पर चलती ट्रेन के एसी प्रथम श्रेणी कोच में सीट दिलाने का झांसा देकर एनसीसी कैडेट से रेप करने का आरोपी इनामी टीटीई बिहार जेल में बंद है। जानकारी मिलने के बाद जीआरपी अब उसे रिमांड पर लेने की तैयारी में है। आरोपित टीटीई की गिरफ्तारी के लिए एसओजी समेत 6 टीमें लगाई गई थीं। एसओजी की ये टीमें जोरशोर से फरार टीटीई की तलाश कर रही थीं। टीटीई पर इनाम भी घोषित कर दिया गया था।

ओटी में गर्भवती को लिटाकर सो गया डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ

लखनऊ. यूपी की राजधानी लखनऊ से बड़ी लापरवाही सामने आई है। अलीगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसूता को ओटी में लिटाकर डॉक्टर और नर्सिंग स्टॉफ सो गया। आरोप है कि करीब आधे घंटे बाद तकलीफ बढ़ने पर प्रसूता ने शोर मचाया लेकिन अस्पताल के किसी कर्मचारी ने नहीं सुना। प्रसूता को इस हालत में देख नाराज तीमारदार ने हंगामा किया। आनन-फानन कर्मचारी और डॉक्टर ओटी पहुंचे और सुरक्षित प्रसव कराया। प्रसूता के पति ने इसकी शिकायत अधिकारियों से की है। जानकीपुरम निवासी अमित ने बताया कि पत्नी मीनाक्षी को 24 मार्च की रात 12 बजे प्रसव पीड़ा होने पर अलीगंज सीएचसी की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे। पति का आरोप है उस दौरान डॉक्टर व स्टाफ सो रहे थे। काफी देर इंतजार के बाद गर्भवती को कर्मचारी ओटी में लेकर गए। कर्मचारियों ने जांच करके प्रसूता को बताया कि प्रसव में समय लगेगा। थोड़ा इंतजार करो। ओटी में रखी टेबल पर प्रसूता को लिटाकर सभी चले गए। कुछ देर बाद तकलीफ बढ़ गई तो प्रसूता ने शोर मचाया।

'युद्ध के संकट से देश को एकजुट होकर लड़ना है'

- नोएडा में बोले मोदी ने देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट का उद्घाटन किया

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यूपी के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फेज-1 का उद्घाटन किया। यह अभी देश का सबसे बड़ा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। 4 फेज पूरे होने पर एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट हो जाएगा। पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से इजराइल-अमेरिका और ईरान की जंग से उपजे संकट से एकजुट होकर लड़ने की अपील की। उन्होंने कहा- कल सभी राज्यों के सीएम से चर्चा हुई।

देशवासियों से कहूंगा कि धैर्य और एकजुटता के साथ इस संकट का सामना करें। ये पूरी दुनिया को परेशान करने वाला संकट है।

प्रधानमंत्री ने कहा देश के राजनीतिक दलों से कहना चाहता हूं कि संकट की घड़ी में ऐसी बातें करने से बचें, जो देश के लिए नुकसानदायक हैं। देश को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को जनता कभी माफ नहीं करेगी। एयरपोर्ट के पहले फेज का काम पूरा हो गया है। इसमें करीब 3300 एकड़ जमीन पर टर्मिनल और रनवे बनाए गए हैं। यह टर्मिनल हर साल लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों को संभाल सकेगा। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 11 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।

2.5 लाख मीट्रिक टन की है कार्गो ढुलाई क्षमता

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ना सिर्फ यात्रियों के लिए बल्कि कार्गो ढुलाई के हिसाब से भी काफी बड़ा एयरपोर्ट है। इस एयरपोर्ट से हर साल करीब 2.5 लाख मीट्रिक टन कार्गो माल ढुलाई की जा सकेगी। इसके साथ ही इसका विस्तार भी किया जा सकता है। इसे बाद में बढ़ाकर 18 लाख मीट्रिक टन तक किया जा सकता है।

हर साल एक करोड से ज्यादा यात्री करेंगे सफर

- जेवर के नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट हर साल सफर करने वाले यात्रियों की संख्या केलिहाज से भी काफी बड़ा है। इस एयरपोर्ट से हर साल करीब 1 करोड़ 20 लाख यात्री सफर करेंगे। शुरुआती चरण में एक करोड़ 20 लाख यात्रियो के बाद जब इसके चारों चरण का काम पूरा हो जाएगा तो इसकी यात्री क्षमता हर साल के हिसाब से करीब 7 करोड़ हो जाएगी।

सड़क, मेट्रो और ट्रेन से सीधा जुड़ा है ये एयरपोर्ट

- इस एयरपोर्ट की सबसे खास बात है कि ये मेट्रो, सड़क मार्ग और ट्रेन के साथ ही क्षेत्रीय परिवहन के साथ सीधे तौर पर जुड़ा है। इससे एकीकृत ट्रांसपोर्ट ट्रांजिट मॉडल बनता है, जिसमें सामान ढुलाई में काफी आसानी हो जाएगी।

'बंगाल की सीमाओं से आ रहे घुसपैठिए'

- ममता सरकार के खिलाफ शाह की 'चार्जशीट'

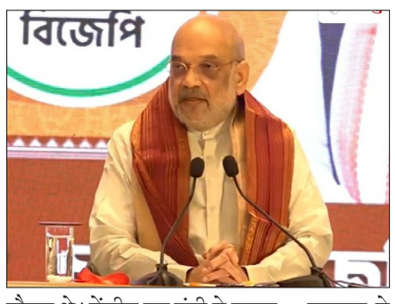

कोलकाता. आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (TMC) सरकार के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 'आरोप पत्र' (चार्जशीट) जारी किया। भाजपा ने इस चार्जशीट को 'अभियोगनामा' नाम दिया है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके साथ पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य भी मौजूद थे। केंद्रीय गृह मंत्री ने ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला और आगामी चुनाव को 'डर और विश्वास' के बीच का चुनाव करार दिया। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में संपन्न होंगे। पहला चरण 23 अप्रैल और दूसरा चरण 29 अप्रैल को होगा। मतगणना यानी वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

अमित शाह ने चार्जशीट जारी करते हुए कहा कि 'बंगाल अराजकता का शिकार हो गया है'। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार ने बंगाल को घुसपैठियों, अपराधियों और भ्रष्टाचारियों का अड्डा बना दिया है, जिससे राज्य दशकों पीछे चला गया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी शासन ने राज्य को कानून-व्यवस्था की चरमराहट, महिलाओं की असुरक्षा और भ्रष्टाचार के दलदल में धकेल दिया है।

कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'पिछले 15 वर्षों में, डर, भ्रष्टाचार और भेदभाव की राजनीति हावी रही है। उनकी राजनीति झूठ, डर और हिंसा पर आधारित है। आम तौर पर, सरकारें जन कल्याण के कार्यों के आधार पर चुनी जाती हैं, लेकिन TMC की राजनीति डर और धमकियों पर टिकी रही है। BJP 2011 से ही इसके खिलाफ लड़ रही है, और मुझे विश्वास है कि इस बार बंगाल की जनता BJP को पूर्ण बहुमत देगी। यह आरोप-पत्र TMC सरकार के 15 वर्षों के कुशासन का एक संकलन है।'

इजराइल की ईरान पर 50 फाइटर जेट से एयरस्ट्राइक

- एटमी ठिकानों को निशाना बनाया
- ईरान ने सऊदी पर 6 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

ईरान-इजराइल जंग के 28 दिन बाद अब हूती विद्रोही भी इसमें शामिल हो गए हैं। इजराइल ने ईरान के अंदर 50 फाइटर जेट्स से हमला किया। इजराइली सेना के मुताबिक शुक्रवार रात ईरान के तीन इलाकों में हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेना ने बताया कि ये हमले खुफिया जानकारी के आधार पर किए गए और कई घंटों तक चले। हमलों में अराक और यज्द जैसे अहम इलाके शामिल थे। जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें हथियार बनाने वाली सैन्य इंडस्ट्री और बैलिस्टिक के साथ एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल के पुर्जे बनाने वाली फैक्ट्री शामिल थी।

इसके अलावा अराक में मौजूद हेवी वॉटर प्लांट पर भी हमला किया गया, जिसे इजराइल ने परमाणु हथियारों के लिए प्लूटोनियम तैयार करने में अहम बताया है।

हम 'मियां' समुदाय की कमर तोड़ देंगे: CM हिमंत

- कांग्रेस छोड़ना चाहते हैं 99% हिंदू
- 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव

गुवाहाटी. असम में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक बयानबाजी और दल-बदल का दौर तेज हो गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया है कि कांग्रेस पार्टी के 99 प्रतिशत हिंदू सदस्य पार्टी छोड़ना चाहते हैं।

कांग्रेस बन जाएगी 'एक समुदाय की पार्टी'

समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में सीएम शर्मा ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाने के साथ-साथ कांग्रेस के भविष्य पर कई बड़े दावे किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कांग्रेस के विघटन की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि लगभग 99 प्रतिशत हिंदू कांग्रेस छोड़ना चाहते हैं। चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस केवल एक ही समुदाय की पार्टी बनकर रह जाएगी।

कांग्रेस में मची है भगदड़

सीएम का यह बयान ऐसे समय में आया है जब चुनाव से ठीक पहले असम में कांग्रेस को लगातार बड़े झटके लग रहे हैं। पार्टी के कई दिग्गज नेता हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (BJP) में शामिल हुए हैं। इनमें कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई और प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा, कांग्रेस के टिकट पर पिछला चुनाव जीतने वाले विधायक- कमलाख्या डे पुरकायस्थ, शशिकांत दास, बसंत दास, सुशांत बोरगोहेन और रूपज्योति कुर्मी भी पार्टी छोड़ चुके हैं।

तबाह कर दिए दुबई में अमेरिकी ठिकाने

तेहरान. ईरान ने अमेरिका को बड़ी चोट पहुंचाने का दावा किया है। शनिवार को ईरान ने कहाकि उसने अमेरिका के दुबई स्थित ठिकानों को काफी नुकसान पहुंचाया है।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने कहाकि उसने यहां पर अमेरिकी सेना के ठिकानों पर हमले किए हैं। समाचार एजेंसी के मुताबिक हजरत खतम अल-अंबिया के सेंट्रल हेडक्वार्टर के एक प्रवक्ता ने कहाकि छिपने के इन ठिकानों में 500 से अधिक अमेरिकी सैन्यकर्मी थे। पहली जगह पर करीब 400 सैनिक और दूसरे में 100 सैनिक मौजूद थे।

नेपाल- बालेन के प्रधानमंत्री बनते ही पूर्व पीएम ओली गिरफ्तार

- Gen-Z प्रोटेस्ट के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप; इसमें 77 मौतें हुई थीं

काठमांडू. नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को पुलिस ने शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी पिछले साल हुए GEN-Z प्रोटेस्ट के मामले में हुई है। यह कार्रवाई उस समय हुई, जब कल ही बालेन शाह ने नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली है। पुलिस के अनुसार, ओली को शनिवार सुबह भक्तपुर के गुंडु स्थित उनके घर से पकड़ा गया। वहीं, रमेश लेखक को सुबह करीब 5 बजे सूर्यविनायक से गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई गृह मंत्रालय की शिकायत के बाद शुरू हुई जांच के आधार पर की गई है। एक जांच आयोग ने सुझाव दिया था कि इन नेताओं पर लापरवाही का केस चलाया जाए। इस मामले में 10 साल तक की सजा हो सकती है।

रिपोर्ट में कई बड़े अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की बात कही गई है। पिछले साल हुए इन प्रदर्शनों में 77 लोगों की मौत हो गई थी और अरबों की संपत्ति का नुकसान हुआ था।

जिस स्वास्थ्य सेवा का आपको इंतज़ार था।

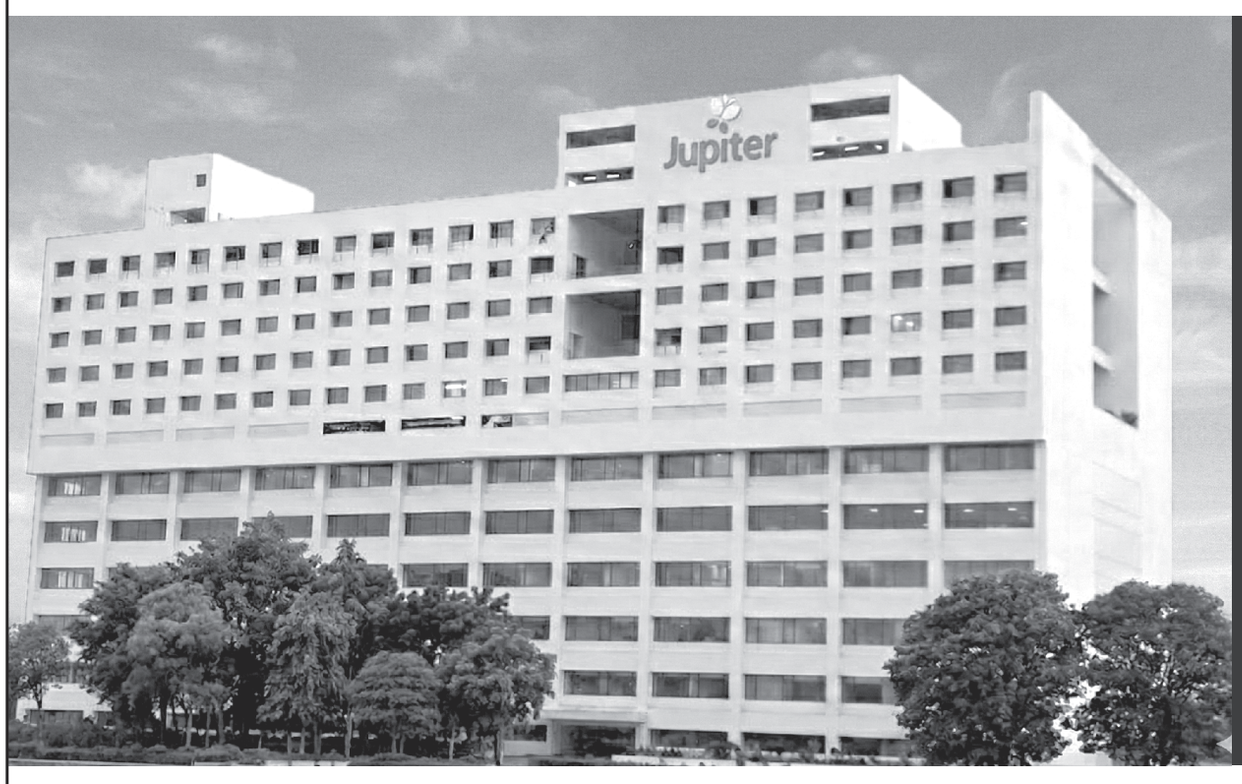

५०० बेड का ज्युपिटर हॉस्पिटल। अब डोंबिवली में।

19 वर्षों पहले जब ज्युपिटरने अपनी यात्रा शुरू की, तब हमारा एक ही संकल्प था – पेशेंट फर्स्ट|

आरामदायक माहौल। विस्तृत कॉरिडोर। मरीजों के लिए खुला और ताज़ी हवा से भरपूर वातावरण।

स्टार क्वालिटी भोजन।

अत्याधुनिक उपकरण और ऑपरेशन थिएटर | क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टर एवं समर्पित सपोर्ट स्टाफ।

और अब, डोंबिवली के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के लिए भी हम हैं उपलब्ध |

हेल्थकेयर में केयर शामिल।

कल्याण - शील रोड, डोंबिवली ईस्ट

कॉल करें : **+91-0251 658 5555**

Jupiter Hospital

Patient First

संक्षेप...

नाले में फंसे बिल्ली के बच्चे को बचाया अग्निशमन विभाग ने तुरंत एक्शन लिया

ठाणे. शहर के चंदनवाड़ी इलाके में नाले में फंसे एक बिल्ली के बच्चे को ठाणे मनपा अग्निशमन विभाग और आपदा प्रबंधन टीम ने शनिवार (गुरुवार, 28) को बचाया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।आपदा प्रबंधन सेल को सुबह करीब 10:20 बजे इसकी जानकारी मिली।

शहीद उद्यान के सामने शिवदर्शन बिल्डिंग के पीछे नाले में एक बिल्ली का बच्चा फंसा होने की जानकारी मिलने पर,आपदा प्रबंधन के कर्मचारी और अग्निशमन के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। टीम ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर नाले में फंसे बिल्ली के बच्चे को बचाया, जिसके बाद इलाके के लोगों ने राहत की सांस ली।

ठाणे जिले में बोतल या कैन में पेट्रोल और डीज़ल बेचने पर बैन

जिलाधिकारी ने दिया सख्त आदेश

ठाणे। सोशल मीडिया पर पेट्रोल और डीज़ल की कमी होने की अफवाहों और खबरों के बाद, ठाणे जिला प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और लोगों की सुरक्षा के लिए पेट्रोल जैसी ज्वलनशील चीज़ों की खुली बिक्री से होने वाली किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए बचाव के कदम उठाए गए हैं।

जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने पेट्रोलियम रूल्स 2002 के नियमों के तहत जिले के सभी पेट्रोल पंपों से फ्यूल की खुली बिक्री पर तुरंत रोक लगा दी है।जिलाधिकारी की तरफ से जारी इस आदेश के मुताबिक, अब जिले के सभी पेट्रोल पंप चलाने वालों को निर्देश दिया गया है कि वे गाड़ियों के फ्यूल टैंक में ही पेट्रोल या डीज़ल दें। किसी भी हालत में ग्राहकों को प्लास्टिक की बोतलों, कैन, कंटेनर या किसी भी दूसरे तरह के कंटेनर में पेट्रोल या डीज़ल नहीं बेचा जाएगा। इस नियम का उल्लंघन गैर-कानूनी है, और पंप पर सुरक्षा बनाए रखने के लिए अब सभी पेट्रोल पंप परिसरों में CCTV सिस्टम 24 घंटे चालू रखना और फ्यूल की बिक्री का रेगुलर रिकॉर्ड रखना ज़रूरी कर दिया गया है।इस आदेश को सख्ती से लागू करने के लिए संबंधित पेट्रोल पंप के मालिक और मैनेजर पूरी तरह से ज़िम्मेदार होंगे। यह आदेश 27 मार्च, 2026 से तुरंत लागू हो गया है, और अगली सूचना तक लागू रहेगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि इन नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति या संगठन के खिलाफ पेट्रोलियम नियम 2002, इंडियन सिविल सिक्योरिटी कोड 2023 और डिज़ास्टर मैनेजमेंट एक्ट 2005 के नियमों के अनुसार सख्त सज़ा और क्रिमिनल कार्रवाई की जाएगी।इस अभियान में पुलिस की भूमिका भी अहम है और ठाणे शहर, नवी मुंबई और मीरा-भायंदर के पुलिस कमिश्नरों के साथ-साथ ठाणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक को ज़रूरी कार्रवाई के लिए सूचित किया गया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि हिंदुस्तान पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम के मैनेजर यह पक्का करें कि जिले के सभी पंपों पर फ्यूल का स्टॉक काफी हो और जिलाधिकारी के आदेशों का पालन हो।जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने सभी संबंधित लोगों से अपील की है कि वे जनहित में लिए गए इस फैसले को तुरंत लागू करें।

मुंब्रा में छात्रों के बीच हिंसक झड़प

ठाणे. शनिवार को ठाणे के मुंब्रा में खाड़ी मशीन रोड पर स्कूल छात्रों के दो ग्रुप्स के बीच हिंसक झड़प हुई। इस झड़प का फुटेज वायरल हो गया है और लोगों ने मुंब्रा पुलिस की कार्रवाई की ओर ध्यान दिलाया है।मुंब्रा में खाड़ी मशीन रोड के पास कॉलेज की छुट्टी होने के बाद दो ग्रुप्स के बीच एक मामूली वजह पर हुई हिंसक झड़प का एक वीडियो वायरल हुआ है। इस झड़प के फुटेज में चाकू लिए एक युवक को बेल्ट और लातों से बुरी तरह पीटा जाता दिख रहा है।छात्रों के बीच इस लड़ाई में बीच-बचाव करने आया एक लोकल युवक हाथ में चाकू लगने से घायल हो गया है। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए पास के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। मुंब्रा पुलिस ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। हालांकि, अभी तक कोई केस दर्ज नहीं किया गया है।

कांग्रेस गुटनेता कांचन कुलकर्णी ने

मुस्लिम कब्रस्तान के लिए आमसभा में उठाई आवाज

कल्याण. कल्याण शहर में काफी वर्षों से मुस्लिम धर्मियों के लिये कब्रस्तान का मसला अधर में लटका हुआ है। इस प्रलंबित मामले को गंभीरता से लेते हुए कांग्रेस पार्टी की गुटनेता कांचन कुलकर्णी ने महानगरपालिका कि आम सभा मे मुस्लिम कब्रस्तान के लिए जोरदार तरीके से आवाज उठाई है। आमसभा में कल्याण डोम्बीवली महानगरपालिका के आयुक्त और पीठासीन अधिकारी अभिनव गोयल के समक्ष गुटनेता कांचन कुलकर्णी ने कहा कि कल्याण पूर्व के कचोरे गांव में मनपा ने एक भूखंड की सवा एकर जमीन मुस्लिम कब्रस्तान के लिए आरक्षित कर रखी है, लेकिन कब्रस्तान की जमीन पर भूमाफियाओं ने कब्जा जमा रखा है। कांचन कुलकर्णी ने मनपा की भरी सदन में आयुक्त से कहा कि न्यायालय ने मनपा प्रशासन को एक हुकुम नामा दिया था कि कब्रस्तान की आरक्षित जमीन से अतिक्रमण हटाकर वहां सीमांकन किया जाए, या फिर यह जमीन गुलशन नगर चैरिटेबल ट्रस्ट के स्वाधीन की जाए। लेकिन मनपा ने यह काम नही किया, जिससे मुस्लिम समुदाय में नाराज़गी बनी हुई है। उन्होंने आगे कहा कि कल्याण शहर में एक ही सार्वजनिक मुस्लिम टेकड़ी कब्रस्तान है। बढ़ती लोकसंख्या के कारण उक्त कब्रस्तान में दफन विधि को लेकर दिक्कतें पेश आ रही है। कुलकर्णी ने मांग की है कि कचोरे कि आरक्षित जमीन से अतिक्रमण हटाकर मुसलमानों को सौंप दी जाए।

7 दिवसीय रामचरितमानस प्रवचन संपन्न

शहद. विठोबा मंदिर परिसर में ऋषिकेश से पधारे पूज्य स्वामी श्री मैथिलीशरण जी के सान्निध्य में 7 दिवसीय श्रीरामचरितमानस प्रवचन का सफल आयोजन किया गया। प्रवचन श्रृंखला के दौरान स्वामी जी ने रामचरितमानस के विभिन्न प्रसंगों को सरल एवं सारगर्भित ढंग से प्रस्तुत करते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को जीवन को सार्थक बनाने का संदेश दिया।

अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि रामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि एक श्रेष्ठ जीवन दर्शन है, जो मानव को सही मार्ग दिखाता है। उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को वर्तमान जीवन से जोड़ते हुए त्याग, कर्तव्य, धैर्य एवं निष्ठा के महत्व पर प्रकाश डाला।

स्वामी जी ने वर्तमान युवा पीढ़ी को सत्संग से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए अभिभावकों से बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करने का आह्वान किया।

रामनवमी के अवसर पर सेंचुरी रेयान परिसर में स्वामी जी ने अपनी भजन मंडली के साथ रामजन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भजन प्रस्तुत किए, जिन्हें सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

इस अवसर पर श्री ओ. आर. चितलांगे एवं श्री दिग्विजय पांडे जी ने स्वामी जी के मंत्रोच्चारण के साथ भगवान श्रीराम की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। अंत में प्रसाद एवं महाप्रसाद का वितरण किया गया।

ठाणे मनपा कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग की किस्त की रकम मिलेगी -मेयर पिंपलोलकर

ठाणे. मेयर शर्मिला पिंपोलकर ने आज हुई बजट मीटिंग में घोषणा की मनपा के अधिकारियों और कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग की तीसरी किस्त और परिवहन कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग की तीन किस्तें दी जाएंगी। मेयर ने बताया कि राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कर्मचारियों का बकाया देने का निर्देश दिया है। यह रकम 30 मार्च, 2026 को ठाणे मनपा और परिवहन कर्मचारियों और रिटायर्ड कर्मचारियों के अकाउंट में जमा कर दी जाएगी। इस फैसले से कर्मचारियों में खुशी का माहौल है।मनपा के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 7वां वेतन आयोग लागू कर दिया गया है। इसके चलते कर्मचारियों की सैलरी में 12 से 15 परसेंट की बढ़ोतरी हुई है। लेकिन उन्हें पिछले छह साल की सैलरी के अंतर की रकम पांच किस्तों में दी जाएगी। इनमें से दो किस्तें पहले ही दी जा चुकी हैं। बाकी रकम का भुगतान न होने से कर्मचारियों और अधिकारियों में नाराजगी है। इस बारे में मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने शुक्रवार को हुई बजट मीटिंग में घोषणा की कि कर्मचारियों और रिटायर्ड कर्मचारियों को तीसरी किस्त दी जाएगी। खास बात यह है कि परिवहन विभाग के कर्मचारियों को उनके सातवें वेतन आयोग के अंतर की रकम की तीन किस्तें एक साथ दी जाएंगी, यह जानकारी सभागृह नेता हनुमंत जगदाले, गट नेता पवन कदम और नगरसेवक राम रेपाले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।मनपा के अधिकारियों और कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग की बची हुई रकम के पेमेंट के बारे में मेयर शर्मिला पिंपलोलकर लगातार आयुक्त सौरभ राव से फॉलोअप कर रही थीं। मनपा एडमिनिस्ट्रेशन के इस फैसले से मनपा अधिकारियों,परिवहन विभाग के अधिकारियों और रिटायर्ड अधिकारियों में खुशी का माहौल है और उन्होंने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे, मेयर शर्मिला पिंपलोलकर, डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल और आयुक्त सौरभ राव का आभार व्यक्त किया है।

राजस्थानी संस्कृति के रंगों में रंगने आ गया राजस्थान महोत्सव

■ 30 मार्च को राजस्थान दिवस पर ठाणे में आयोजन

ठाणे. राजस्थान विकास मंच की ओर से वुडलैंड होटल में राजस्थान महोत्सव को लेकर एक पत्रकार परिषद के माध्यम से जानकारी दी गई।राजस्थान विकास मंच के अध्यक्ष कपूर रामावत,राजस्थान विकास मंच के मुख्य संरक्षक व राजस्थान प्रगति मंडल के अध्यक्ष राकेश मोदी, ठाणे शहर अध्यक्षा विमल हिरन ने पत्रकारों को कार्यक्रम की जानकारी दी।साथ ही कार्यक्रम की रूपरेखा के साथ राजस्थान के इतिहास के विषय व राजस्थान स्थापना दिवस की जानकारी देते हुए कहा कि राजपूताना की सभी रियासतों को मिलाकर जब वृहत राजस्थान का गठन किया था उस दिन तिथि थी हिंदू नव वर्ष चैत्र शुक्ल शुक्ल प्रतिपदा और दिनांक थी 30 मार्च उसी दिन को राजस्थान दिवस के रुप में मनाया जाता रहा है।आजादी के 77 वर्षों के बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार ने इस वर्ष से पुनः राजस्थान दिवस हिंदू नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को शुरु किया है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 30 मार्च 2026 सोमवार को शाम 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक वेदांत खुला रंगमंच वर्तक नगर प्रभाग समिति ठाणे (पश्चिम) के मैदान में हम राजस्थानी समाज 36 कोम मिलकर राजस्थान विकास मंच महाराष्ट्र के तत्वाधान में राजस्थान दिवस को राजस्थान महोत्सव के रूप में मनाने जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में राजस्थान के सुप्रसिद्ध लोक गायक लोक नृत्य के उम्दा कलाकार अपनी अपनी प्रस्तुतियां पेश करेंगे।

इस कार्यक्रम में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद नरेश म्हस्के महाराष्ट्र के कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढा, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, विधायक संजय केलकर, निरंजनी डावखरे, महापौर शर्मिला पिंपलोलकर, उप महापौर कृष्ण पाटिल की उपस्थिति रहेगी।

इस आयोजन को सफल बनाने में राजस्थान महोत्सव आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक राकेशजी मोदी, अरुण जोशी, विजयकुमार बसवतिया, चंद्रकुमार जाजोदिया, महेशजी जोशी, महावीर शर्मा, प्रदीप गोयनका, सुरेंद्रजी शर्मा, उदय परमार, अशोक पारेख, सुशील टीबडेवाल, अनीता टीबडेवाल, मदनलाल शर्मा, बाबूसिंह राजगुरु, लक्ष्मीकांत मूंदड़ा, महेंद्र बागरेचा, भूपेंद्र भट्ट, रमेश जैन सोनी, कनूभाई रावल, उपरोक्त सभी मार्गदर्शक मंडल एवं संरक्षक के मार्गदर्शन में राजस्थान विकास मंच महाराष्ट्र के संस्थापक अध्यक्ष एवं संरक्षक कपूर रामावत एवं कार्यकारिणी पदाधिकारी कांतिलाल रावल, दिनेश चंद्र रावल,अनिल गर्ग, गुलाबसिंह राजपूत, मनोजजी जैन, मनोहर वैष्णव, सोहनलाल कुमावत, भंवरदास वैष्णव, खीमजी चौधरी, विकास आचा, खेताराम चौधरी, हरीशजी चौधरी।

RTE एडमिशन प्रोसेस : ऑनलाइन एप्लीकेशन 31 मार्च तक बढ़ाई गई

ठाणे. राइट टू एजुकेशन एक्ट (RTE) के तहत प्राइवेट अनएडेड स्कूलों में 25% रिज़र्व एडमिशन के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन फाइल करने की डेडलाइन अब 31 मार्च, 2026 तक बढ़ा दी गई है। यह एक्सटेंशन पेरेंट्स को एप्लीकेशन जमा करने और ज़रूरी करेक्शन करने के लिए एक्स्ट्रा टाइम देने के मकसद से दिया गया है।जैसा कि पहले बताया गया था, पेरेंट्स के लिए 3 से 5 किमी की दूरी के अंदर स्कूल चुनने की सुविधा बनी रहेगी। बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के निर्देशों के मुताबिक, स्कूल से दूरी के बारे में 1 किमी की शर्त में ढील दी गई है, जिससे पेरेंट्स के लिए ज़्यादा स्कूल ऑप्शन उपलब्ध हो गए हैं। इस फैसले से ज़्यादा एलिजिबल स्टूडेंट्स को अपनी पसंद के स्कूलों में एडमिशन पाने में मदद मिलेगी। साथ ही, जिन पेरेंट्स ने पहले ऑनलाइन एप्लीकेशन जमा कर दी है, उनके लिए पोर्टल पर 'अनकन्फर्मिंग' और 'कन्फर्मिंग' की सुविधा उपलब्ध है, ताकि एप्लीकेशन में ज़रूरी करेक्शन किए जा सकें।

पोर्टल पर पॉप-अप नोटिफिकेशन के ज़रिए पेरेंट्स को इस बारे में बताया जा रहा है।जिला परिषद ठाणे के शिक्षण अधिकारी (प्राइमरी) बालासाहेब राक्षे ने कहा, "RTE 25 परसेंट एडमिशन प्रोसेस में ज़्यादा से ज़्यादा एलिजिबल स्टूडेंट्स को शामिल करने के लिए, एप्लीकेशन जमा करने की डेडलाइन 31 मार्च, 2026 तक बढ़ा दी गई है। पेरेंट्स को इस मौके का फ़ायदा उठाकर एप्लीकेशन जमा करने चाहिए. शिक्षण विभाग ने सभी एलिजिबल पेरेंट्स से अपील की है कि वे एक्सटेंशन का फ़ायदा उठाकर नए एप्लीकेशन जमा करें या पिछले एप्लीकेशन में ज़रूरी करेक्शन करके एडमिशन प्रोसेस पूरा करें, और यह जानकारी ज़्यादा से ज़्यादा पेरेंट्स तक पहुंचाएं।

अजय देवगन के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में मुकदमा

■ रीमेक फिल्म 'भोला' के पैसे न चुकाने का आरोप

साल 2023 में आई अजय देवगन स्टारर फिल्म 'भोला' अब कानूनी पचड़े में फंस गई है। यह फिल्म 2019 में आई तमिल फिल्म कैदी का रीमेक वर्जन थी। अब कैदी के ओरिजिनल प्रोड्यूसर्स फिल्म भोला के मेकर्स के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचे हैं। उनका आरोप है कि 'भोला' के मेकर्स ने रीमेक और कॉपीराइट एग्रीमेंट की शर्तों का उल्लंघन किया है और तय रकम का भुगतान नहीं किया है।

'कैदी' बनाने वाले प्रोडक्शन हाउस 'ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स' ने यह मामला दर्ज कराया है। कंपनी का दावा है कि उनके पास फिल्म के रीमेक राइट्स के मालिकाना हक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2023 में रिलायंस एंटरटेनमेंट स्टूडियोज के साथ हिंदी रीमेक के लिए एक एग्रीमेंट हुआ था। इसके तहत प्रोडक्शन हाउस को किश्तों में 'असाइनमेंट फीस' मिलनी थी, लेकिन कंपनी का आरोप है कि उन्हें 2022 में सिर्फ 1 करोड़ रुपए मिले और बाकी की दो पेमेंट अभी भी पेंडिंग हैं।

4 करोड़ रुपए और ब्याज की मांग

ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स, रिलायंस और अजय देवगन Ffilms LLP के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत तीनों के पास बराबर के रीमेक राइट्स थे, जबकि कमर्शियल राइट्स रिलायंस को दिए गए थे। पैसे न मिलने पर प्रोडक्शन हाउस ने 28 अक्टूबर 2024 को लीगल नोटिस जारी किया था।

इसमें ब्याज के साथ 4 करोड़ रुपए की मांग की गई है। नोटिस में यह भी चेतावनी दी गई थी कि अगर 30 दिनों में भुगतान नहीं हुआ, तो एग्रीमेंट रद्द कर दिया जाएगा और सभी राइट्स वापस ले लिए जाएंगे।

युवाओं को संभालकर रखना चाहिए ऐतिहासिक धरोहर

■ सह्याद्री प्रतिष्ठान ने जेल में ठाणे मुक्ति दिवस मनाया

ठाणे। मराठों ने 27 मार्च 1737 को ठाणे किले, जिसे अब ठाणे जेल कहा जाता है, को पुर्तगालियों के जुए से आज़ाद कराया था। इस घटना को 289 साल हो गए हैं।विधायक संजय केलकर ने बताया कि पिछले 12 सालों से ठाणे मुक्ति दिवस मनाया जा रहा है ताकि ठाणे शहर के युवा ठाणे की इस ऐतिहासिक धरोहर को संभालकर रख सकें।सह्याद्री प्रतिष्ठान ने शुक्रवार, 27 मार्च को ठाणे सेंट्रल जेल में ठाणे मुक्ति दिवस मनाया। इस मौके पर प्रतिष्ठान के अध्यक्ष विधायक संजय केलकर और प्रतिष्ठान के फाउंडर श्रमिक गोजमगुंडे मौजूद थे। इस मौके पर बोलते हुए, केलकर ने कहा, पुर्तगालियों ने ठाणे में बहुत ज़्यादा जुल्म करके अपनी ताकत का इस्तेमाल किया। उन्होंने यहां के लोगों को ठाणे किले में कैद कर दिया। 27 मार्च, 1737 को मराठों ने इस किले को पुर्तगालियों के कब्ज़े से आज़ाद कराया था। बाद में, अंग्रेजों ने इस किले में कई आज़ादी के दीवानों को कैद किया। कई को फांसी दे दी गई। इसलिए, यह अब सिर्फ़ एक किला या जेल नहीं है, बल्कि ठाणे के शानदार इतिहास की एक विरासत है। ठाणे के सभी युवाओं को इस विरासत को बचाने का काम करना चाहिए। हम पिछले 12 सालों से सह्याद्री प्रतिष्ठान के ज़रिए ठाणे मुक्ति दिवस मना रहे हैं। जेल में आज़ादी के दीवानों और शहीदों की याद में एक स्मारक बनाने का काम चल रहा है।विधायक केलकर ने यह भी बताया कि दीवारों पर बनी पेंटिंग के ज़रिए इतिहास को दिखाने का काम शुरू किया गया है। श्रमिकभाऊ महाराष्ट्र के दुर्ग रत्न हैं और अगर राज्य सरकार दुर्ग रत्न अवॉर्ड का ऐलान करती है, तो केलकर ने यह भी भरोसा जताया कि उन्हें यह मिलेगा।श्रमिक गोजमगुंडे ने कहा, ठाणे जेल एक ऐतिहासिक जगह है और शहर की एक ऐतिहासिक विरासत है। उन्हें गर्व है कि सह्याद्री प्रतिष्ठान के ज़रिए ठाणे मुक्ति दिवस मनाया जाता है।विधायक संजय केलकर की गाइडेंस में कई किलों और दुर्गों पर अलग-अलग काम चल रहे हैं। ठाणे के पिंपलोस किले का काम भी शुरू होगा। इस मौके पर जेल सुपरिंटेंडेंट रानी भोसले, डिप्टी सुपरिंटेंडेंट मिस्टर भवर, कापड़े,नगरसेवक सुरेश कांबले,नगरसेविका उषा वाघ, किशोर मसुरकर, राजेश गाडे, आरिफ बडगुजर, विशाल वाघ, सह्याद्री प्रतिष्ठान की स्वप्नाली सालवी, मत्सगंधा पवार, गणेश मंगले और प्रतिष्ठान के ठाणे अध्यक्ष महेश विनेरकर मौजूद थे।

ठाणेकर जेल को शिफ्ट करने का विरोध कर रहे

जेल से एक तय दूरी के अंदर बिल्डिंग नहीं बनाई जा सकतीं, इसलिए बिल्डर लॉबी ने इस जेल को ही शिफ्ट करने का प्लान बनाया है। ठाणे जेल में स्वतंत्रता सेनानियों के स्मारक का काम चल रहा है और म्यूरल के ज़रिए इतिहास को सहेजने का काम चल रहा है। दिलचस्प बात यह है कि यहां कर्मचारियों के क्वार्टर के लिए फंड भी दे दिया गया है और टेंडर भी तैयार है। लेकिन, यह काम अचानक रोक दिया गया है। क्या इस जेल को शिफ्ट करने का कोई प्लान है? विधायक संजय केलकर ने हाल के सेशन में यह सवाल उठाया था और केलकर ने हाउस में यह भी साफ किया कि ठाणे के लोग इस रिलोकेशन का कड़ा विरोध कर रहे हैं।

वृंदावन सोसायटी में पेड़ गिरा, 3 कारें डैमेज

ठाणे. शहर के वृंदावन सोसाइटी इलाके में साई तुलसी सोसाइटी के कैंपस में शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे एक बड़ा पेड़ गिर गया। ठाणे आपदा प्रबंधन डिपार्टमेंट के मुताबिक, इस घटना में किसी के कैजुअल्टी की खबर नहीं है, लेकिन पेड़ गिरने से तीन कारें डैमेज हो गईं।ठाणे आपदा प्रबंधन को शाम करीब 6:26 बजे इसकी जानकारी मिली। जानकारी मिलते ही आपदा प्रबंधन के स्टाफ और फायर अग्निशमन विभाग के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत गिरे हुए पेड़ को काटकर हटाया और इलाके को सेफ कर दिया। इस बीच, पेड़ वैगनर कार के पिछले और दाहिने हिस्से पर गिरा और महिंद्रा XUV 500 की आगे की छत और पिछले हिस्से को बुरी तरह डैमेज हुआ।आपदा प्रबंधन सेल ने बताया कि अर्टिगा कार की छत भी डैमेज हुआ है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099